



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५० निक ७०२४२	२५-१२-२३	०५	५-४

• हकूमि में मनाया किसान दिवस समारोह, प्रदेश के 42 किसान सम्मानित हकूमि करता है 22 हजार 500 किंवंटल से ज्यादा उन्नत बीज उत्पन्न, सीड विलेज बनाएंगे : काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि संबंधी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को

बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 किंवंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। बीज की कमी न हो इसलिए कुछ गांवों को सीड विलेज के रूप में विकसित करेंगे, जहां किसान बीज उत्पन्न करेगा। उन्होंने कहा हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्वात केवल हरियाणा से ही होता है।



समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यांतिथि कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल।

चूल्हा- चौका छोड़कर अपनाई बागवानी

फरेहाबाद जिले के गांव धोलू निवासी कविता एम्पॉरियम व बीएड पास है। चूल्हा चौका छोड़कर उन्होंने करीब आठ साल पहले खेत में एक एकड़ जमीन पर नीबू का बाग लगाया। ठीक कमाई हुई तो एक एकड़ में आड़ और आलू बुखारा भी लगा लिया। बाग में निमेटोड बीमारी आने पर बाग के बीच में ही गेंद के फूलों की खेती करना आरंभ किया। हर साल 6 से 8 लाख रुपये कमा रही है।

प्रभुवाला के किसान कपिल भाटिया ने इंटर क्रॉपिंग से बढ़ाई आमदनी

हिसार के किसान कपिल भाटिया को किसान दिवस पर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि कपास उनके गांव में प्रमुख फसल है, सिंचाई जल ज्यादा न होने से धान की फसल यहां नहीं होती। कपास में भी बीमारियों से नुकसान हुआ तो बागवानी को अपनाया। अब 14 एकड़ में अमरुद, किन्नू और आड़ के बाग लगाए हैं, बाग में टनल तकनीक के जरिए सर्दी में खरबूजा, तरबूज और सब्जियां भी लगाते हैं। इंटर क्रॉपिंग से इनकम भी डबल हो रही है। इसके अलावा केंचुआ खाद भी खेत में खुद तैयार करते हैं जोकि इंटर क्रॉपिंग और बागवानी में ज्यादा फ़ायदेमंद साबित होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभृत उज्जाला	24-12-23	02	1-4

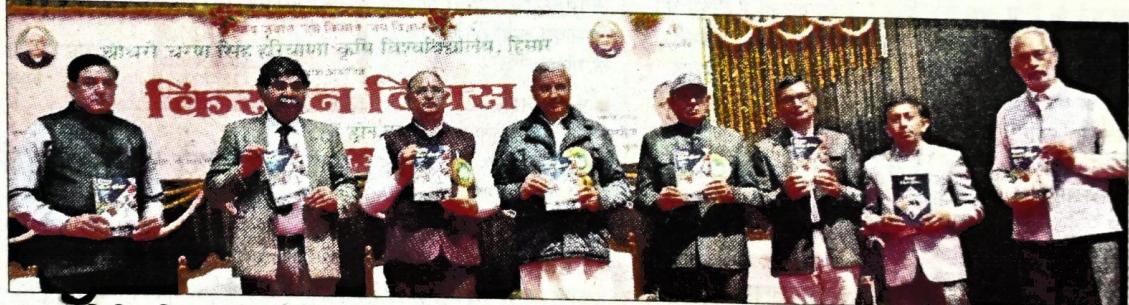
हिसार समेत चार जिलों में फसल उत्पादों की होगी पैकिंग, कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनेंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन, 42 किसानों को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मैं किसान के साथ व्यापारी भी हूं। सामान को बेचना जानता हूं। अपने किसान भाइयों के माल को भी बिकवाऊंगा। किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है। इसके लिए फेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा।

जेपी दलाल शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग, कोल्ड स्टोरेज बनने से किसानों को फायदा होगा। उनकी फसल का सही दाम मिल सकेगा। आज 30 प्रतिशत फल-सब्जी उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाजरे के लिए मोटे अनाज का मंत्र दिया



कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस मेले में पुस्तक का विमोचन करते कृषि मंत्री जेपी दलाल एवं अन्य। संवाद

तो आज बाजारा गेहूं से ज्यादा रोट पर बिक रहा है। आगे देखना बाजरा 5 हजार रुपये प्रति किवंटल बिकेगा। किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीज की आपूर्ति कराने के लिए 25 गांव के एक सीड़ केंद्र बनाया जाएगा। जिससे की किसानों को बीज की समस्या का सामना न करना पड़े।

प्राकृतिक-जैविक खेती के लिए करें। प्राकृतिक खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश

के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। गठन से अब तक राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। यह प्रदेश के किसानों तथा एचएयू के वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम है। विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 किवंटल से अधिक उन्नत बीज तैयार कर किसानों को वितरित करता है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का नियर्यात केवल हरियाणा करता है। अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें।

जल का दोहन इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक कमी की संभावना है। 50 सालों में 290 किस्में निकाल चुके हैं। बाजरे से 11 प्रोडेक्ट बनाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए

जिले के 4 किसानों को मिला सम्मान

हिसार के चार प्रगतिशील किसानों सुमित्रा देवी मंगली महोबतपुर, कपिल भाटिया डकलाना, गुरमीत लोहारी, प्रदीप कुमार चिङ्गौद को सम्मानित किया गया।

बहुत ही फायदेमंद है। जब भी इस विश्वविद्यालय की पावन भूमि पर किसानों के पैर पड़ते हैं हमारा विद्यालय पवित्र हो जाता है।

राज्यसभा संसद जनरल डीपी वत्स ने संबोधित करते हुए कहा कि महिला किसानों की संख्या देखकर खुशी हो रही है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का नियर्यात कर चुका है सभ्य समाज बनाने के लिए हमें जातिवाद को खत्म करना होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाल क्रेसरी

दिनांक
24-12-23

पृष्ठ संख्या
०५

कॉलम
१-५

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री

» हक्की में मनाया किसान दिवस

हिसार, 23 दिसम्बर (राठी) : किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये चार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बड़ी मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने को। इस मौके पर प्रगतिशील किसान कुरुक्षेत्र निवासी हरबीर सिंह को किसान रब अवर्ड प्रदान किया गया।

कृषि मंत्री दलाल ने सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चाराई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जाकि घंहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपए कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपए होता था आज 2500 रुपए प्रति बिट्टल दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, मछली पालन, बिजली व ट्यूबवैल केनेक्षन के बजट की भी बढ़ावीटी की है।

कृषि मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गतीर में विविधस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहाँ अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फेटेहाबाद, हमरा, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सेटिंग और कॉल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहाँ से उत्पादों को गतीर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मिडिंग में बेचा जा सकेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र अर्टिकिशियल इंस्टील्यूज़न्स जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार 125 किसानों को ड्रेन की ड्रेनिंग दिलवा चुकी है और 13 लाख के इलेक्ट्रिक ब्लैकल महिला किसानों की अधिक संख्या में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जाइए और कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमेसा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का नियंत्रण करता है, जो दर्शाता



समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते कृषि मंत्री जै.पी. दलाल / साथ में मौजूद राज्यसभा सासद डा. वत्स, कुलपति प्रो. काम्बोज व अन्य।

कृषि के हरबीर सिंह सहित अन्य प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री दलाल ने कृषि के गांव डालू के प्रगतिशील किसान हरबीर सिंह को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित। इसके अलावा अन्यांन्य प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले किसानों में पानीपत जिला के गांव राजापुर से मुस्कान आसन खुर्द से जय पाल, यमुनानगर जिला के गांव संघाली से लतिला देवी, प्रताप नगर से मुकेश गर्ग, हिसार के गांव मगाली माहाबलपुर से सुमित्रा देवी, प्रभुवाला के पौपिल भाटिया, फेटेहाबाद जिला के गांव धोली देवी, जहाँ से उत्पादों को गतीर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मिडिंग में बेचा जा सकेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र अर्टिकिशियल इंस्टील्यूज़न्स जैसी आधुनिक

लिलिता देवी, महमूदपुर माजारा से श्याम सिंह, जीदीला के गांव बधाना से संतोष, मनोहरपुर से सुरेश, महेंद्रगढ़ के गांव कोटिया से सविता, बांधडीया से तेज प्रकाश, सिरसा जिला के गांव छोवाली से सुनीता गोदारा, भुरटवाला से काली राम, करनाल जिला के गांव जुंडला से सुमन, सार्भी से राम कुमार, रोहतक जिला के गांव खरक जाटान से लक्ष्मी, आंवल से राम सिंह, झज्जर जिला के गांव लोहट से उमिला, सिलानी से सिद्धार्थ मल्हान, नूर्ह जिला के गांव छोपड़ा से राम कुमार, अबाला से सीमा रानी व मोहन लाल, भिवानी जिला के गांव सिप्पर से नीता देवी, सुरुपुरा कलां से पवन कुमार, लाहौरी राधो से गुरमुख सिंह को सम्मानित किया गया।

थुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन 6 गुणा, चावल 8 गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्ध्य हरियाणा सरकार की किसान हितेंशी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सब्ज़नी उत्तर व नवीनतम तकनीकों को अपने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्रस्ते में उत्तर बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 विकल्प से अधिक उत्तर बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न नियमों व किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का नियांत्रण केवल हरियाणा से ही होता है।

कुलपति ने कहा किसानों को आहवान किया कि वे कृषि में विविधकरण को आपनाएं तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं, ताकि विश्वस्तरीयतापूर्णता का मुकाबला किया जा सके। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने की आशयकता है। कुलपति ने विश्वविद्यालय मदद से किसानों को प्रेरित करे कि वे नई नई तकनीकों को अपनाएं, ताकि उनकी आय बढ़ाई जा सके। कुलपति ने जल संरक्षण पर उचित उत्पादन योगदान देना चाहिए, ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार सिक्षा निदेशक डॉ. बलवाला सिंह मंडल ने सभी का श्वागत किया, जबकि कृषि

शिक्षा, विकित्या, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं निमा रही अग्रणी भूमिका : डी.पी. वत्स

राज्यसभा सांसद जनरल डी.पी. वत्स ने अपने संबोधन में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जाइए और कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमेसा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का नियंत्रण करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। उन्होंने कहा कि हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र द्वितीय हित में अपना योगदान देना चाहिए, ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार सिक्षा निदेशक डॉ. बलवाला सिंह मंडल ने सभी का श्वागत किया, जबकि कृषि

महाविद्यालय के अधिकारी डॉ.एस.के.पाहुजा ने धन्यवादप्रस्ताव अप्रसुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का वृक्षीय क्षेत्र में सोनोजगांव स्थानिकता विश्वविद्यालय लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक जागरूक

दिनांक
24-12-23

पृष्ठ संख्या
04

कॉलम
1-6

बिना पानी दिए तीन माह तक नहीं सूखेंगे पौधे, ओस से होंगी पानी की पूर्ति

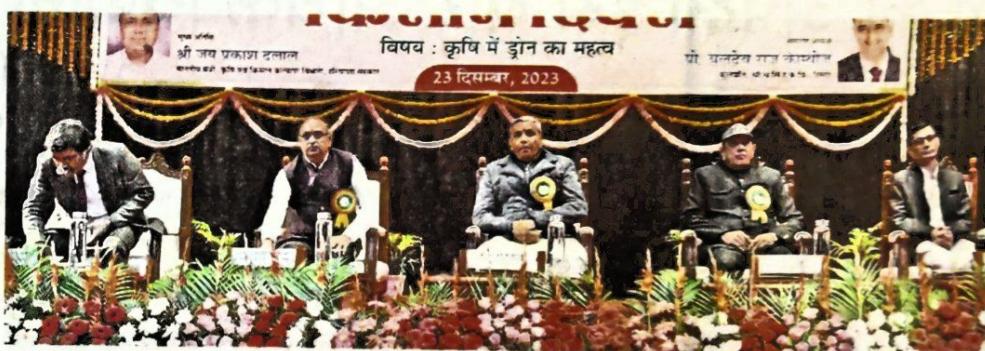
जागरण संघदाता, हिसार : पौधों को किसान हमेशा पानी देता रहता है। पानी के बीना पौधे की लाइफ ज्यादा नहीं होती। प्रदेश के कुरुक्षेत्र के शाहबाद निवासी हरबीर सिंह ने ऐसी रिसर्च तैयार की पौधे पर गिरने वाली ऑस से वह जीत रह सकते हैं। किसान यदि उनको तीन माह तक पानी नहीं भी देंगे तो वह खत्म नहीं होंगे। इस रिसर्च को अब हॉलेंड में विश्व होर्टिकल्चर सेंटर में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा हरबीर करीब 28 साल से खेती कर रहे हैं।



किसान रत्न पुरस्कार के साथ हरबीर सिंह।
• जागरण

118 लोगों दिया है रोजगार

हरबीर के पास मौजूद नसरी में लोगों को बेहतीरीन पौधे व फसल मिलने के साथ उन्होंने 118 लोगों को रोजगार भी दिया हुआ है। मौजूदा समय में यह काम कर रहे हैं। हरबीर ने बताया कि यदि सीजन नहीं होता तो उनके पास करीब 40 लोग पूरे साल नौकरी पर रहते हैं। हरबीर ने एमए की हुई है। हर साल खुद की नई रिसर्च कर उसको आगे देना उनका मकसद होता है।



मंच पर उपस्थित हरियाणा के कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल, कुलपति डा. बीआर कम्बोज और साथ में अन्य। • जागरण

उनकी तरफ से अनेक रिसर्च की गई और रिसर्च पेपर में वह पब्लिश हुई।

शाहबाद निवासी हरबीर सिंह ने बताया कि वह अभी चावल का छिलका, रेत और उनके पास मौजूदा जानवारों के गोबर से बनने वाली खाद का प्रयोग करते हैं। 16 एकड़ में चल रही नसरी के तहत लगाए गए औपन में पौधे रात को गिरने वाली ओस से जीवित रहते हैं। यदि दिन में उनको पानी न भी दिया जाए तो

वह खत्म नहीं होंगे। हरबीर ने बताया कि उनकी पौधों की काफी मांग है। अभी उनकी तरफ से गोधी, ब्रोकली व अन्य सब्जियां उगाई हैं।

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. बीआर कम्बोज

वहीं, कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का सात प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल

है और फसल भी बेहतर होती है। अभी उनकी तरफ से गोधी, ब्रोकली व अन्य सब्जियां उगाई हैं। प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. बीआर कम्बोज

किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति ने कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र

हमेशा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान का नियांत आह्वान किया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की मदद से किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि उनकी आय बढ़ाई जा सके। सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अग्रणी भूमिका : जनरल डीपी वर्स

राज्यसभा सदस्य जनरल डीपी वर्स ने कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि - मुख्यमंत्री	24-12-23	09	5-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषिमंत्री

हरिभूमि न्यूज || हिसार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतरराष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। कृषि मंत्री शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बताए मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। समारोह में कृषि मंत्री दलाल ने कुरुक्षेत्र के किसान हरबीर सिंह को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित। इस मौके पर कृषि मंत्री ने प्रदेश भर से आए प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने



हिसार। समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि। फोटो: हरिभूमि

फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ वितरित कि

मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपये किसानों को वितरित किया है, जब्तक कि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपये ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नों में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बगाई जा रही है, जहाँ अंतर्राष्ट्रीय गाहव आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, बोर्डिंग, सोर्टिंग और कोल ड रसेरेज सेंटर बगाए जाएंगे, जहाँ से उत्पादों को गन्नों ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मर्डियों में बेचा जा सकेगा।

सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अग्रणी भूमिका : डॉ. बी.आर.

राज्यसमा सांसद जनरल डीपी वर्त्स ने अपने संबोधन में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जताई और कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमें आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का नियाति करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। उन्होंने कहा कि हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र छित में अपना योगदान देना चाहिए ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सके।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्वरोजगार स्थापित करने वाले 5 किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

प्राकृतिक संरक्षण नई पीढ़ी की धरोहर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अन्नाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गैरुं का उत्पादन छह गुणा, वाल आठ गुणा दर्ता तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियां हरियाणा सरकार की किसान हितेशी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की नई कृषि सम्बन्धी उन्नत व वर्तीनतम तकनीकों को अपनाने वाली हैं। कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक संरक्षण नई पीढ़ी की धरोहर है। प्राकृतिक क्षेत्रों के मौजूदा को अपनाने हुए पोषण युक्त खाद्यान्न पैदा करते हुए अपने परिवार से ही शुद्ध मोजन की शुरूआत करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच - कृषि	24-12-23	05	1-5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन, प्रगतिशील किसान सम्मानित

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्धः कृषि मंत्री

सच कहुँ/श्याम सुंदर सरदाना
हिसार।

किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने की।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जो कि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपए कर दिया है। बाजरे के



भाव जो पहले 800 रुपए होता था आज 2500 रुपए प्रति विक्रीलं दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, बिजली व ट्यूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ातरी की है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपए किसानों को वितरित किया है, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपए ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए

सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहाँ अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहाँ से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मर्फियों में बेचा जा सकेगा।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल

आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियों हरियाणा सरकार की किसान हितेषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सब्जी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्राकृतिक खेती के मॉडल को अपनाते हुए पोषण युक्त खाद्यान्न पैदा करते हुए अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें। उन्होंने किसानों से आङ्गन किया कि वे कृषि में विविधकरण को अपनाएं

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें: प्रो. कम्बोज

तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं ताकि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला किया जा सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अध्याता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने वाले किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत २४।१२।२	२५-१२-२३	०५	७-४

सरकार किसानों के हित के लिए ह्यैशा प्रतिबद्धः कृषि मंत्री

हिसार, 23 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यालियि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जोकि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपये कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपये होता था आज 2500

रुपये प्रति किलोलिटर दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, मछली पालन, बिजली व दयूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ोतारी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपये किसानों को वितरित किया है, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपये ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गत्रों में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सेटिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को ग्राहक ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मार्डियों में बेचा जा सकेगा।



समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यालियि हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दैनिक ट्रिप्यूल

दिनांक

24-12-23

पृष्ठ संख्या

03

कॉलम

5-6

कृषि मंत्री ने किसानों को किया सम्मानित, कहा-

**'बयान से किसी को दुख हुआ
तो दोबारा मांगता हूं माफ़ी'**



हिसार में शनिवार को समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते
मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल।-हप

हिसार, 23 दिसंबर (हप)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे कृषि मंत्री जेपी दलाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपने विवादित बयान पर कहा कि किसी भाई को दुख हुआ है तो वह फिर से माफ़ी मांगते हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि 'मैं किसान परिवार से हूं और किसान का बेटा हूं और किसान के बारे में बुरा नहीं सोच सकता। किसान की भलाई के लिए कलम चलाता हूं। मेरे शब्दों के गलत अर्थ निकालकर कोई बुरा मानता है तो उससे बार-बार माफ़ी मांगने के लिए तैयार हूं। किसान के बारे में मेरी सोच गलत नहीं हो सकती। किसी भाई को दुख हुआ है तो मैं फिर से माफ़ी मांगता हूं।'

इससे पूर्व समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के

किसानों को दी जा रही

एआई की ट्रेनिंग

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र आटिप्रिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार 125 किसानों को झेंड की ट्रेनिंग दिलवाई जा चुकी है और 13 लाख के इलेक्ट्रिक

व्हीकल सहित ड्रेन व नैनो यूरिया भी वितरित किए गए हैं। कोई भी किसान 100 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करवा सकता है। इस कार्य में लगी शेष पूँजी का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा।

साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	23.12.2023	--	--

**सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा
प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री जेपी दलाल**

हिमार (चिराग टाइम्स)

किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता वृद्धि के साथ-साथ नीतिकरण तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतु दाम खिलाफे के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग चढ़े। ये विवाद प्रैटेंस के कौप एवं दिसम्बर काल्पनिक मंडी जयपुरका दलालाल ने कहे। वे आज चौथरी वर्षण मिश्न हरियाणा कृषि विभागियालय में अध्येतित किसान दिवस पर घरीर मुख्यालयित किसानों वो मंबोधित कर रहे थे, जबकि यमारोह की अवधिक विभागियालय के कुत्सित प्रो ची प्रार काम्बोज ने को कृषि मंडी जैसे दलाल ने अपने योग्याधन में यस्तकार द्वारा किसान के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तार पूर्व बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रशासन ने कृषि का बजट जो यहां 800 करोड़ था वो 35 बजाकर 3900 करोड़ रुपये का दिया है। जबकि के भाव जो यहां 800 रुपये होता था आज 250 रुपये प्रति किटल दिया जा रहा है। इसके अलाया सरकार नहरों, मछलीयालय, विज्ञानी द्रव्यव्यवेत्र कर्नेवेशन के बजट व भी बढ़ावदी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा यहां एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फैसली व एमएसपी पर खातिरी होती है। सरकार ने फैसल थोमा योजना तहत 9 हजार करोड़ टांके किसानों को वित्तित किया जाएगा एवं फैसल थोमा कोपनियो किसानों में 1973 करोड़ रुपये लिए थे। इसके लिए फैसलाका हिमार, करानाल व कुन्हेसेर जिसमें उत्पादों की वैकिंग, गोहिंग और कॉल्ड स्टोरेज में बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों



गवर्नर ले जाकर उन अंतर्राष्ट्रीय
मन्त्र की मौदियों में बैठा जा
सकता। इसी विधि ने भावत कि
कृपि के द्वारा आर्टिफिशियल
एटिलिनोंमा जैवी अधिनियक
नहीं तकनीकों की विद्या देने के लिये
मध्यम पर 125 किलोग्राम की दून
जो एक दिलक चुड़ी है और
13 लाख के इलेक्ट्रिक लैटरल
गहित दून व वैनों युग्मी भी
विकास किए गए हैं। ताकि जोड़
भी किसीन 100 रुपये प्रति एकड़
के हिस्से से छिड़ लेव करका
मजबूता है। उम्मीद ये है कि
पूर्जी का बहुम सरकार द्वारा किया
जाएगा। उद्देश्य यहा कि इस
मध्यम के द्वारा एक लाख एकड़
को मजबूत मरकार द्वारा दें दी गई
है।

प्राकृतिक समाधान नहीं पांडा की भगेहर, शहद भोजन की शहआत अपने परिवार में करें। पा. बी. आर. काम्पोज इलापति पा. बी. आर. काम्पोज ने अपने संस्थान में कहा कि हारियाणा पटेल देश के कुल जन्मठ वा 7 प्रशंसन उत्पादन करता है। गण्ड में यह वा उत्पादन लह गुणा, चावल आदि गुण में सिलहरी फलवला का उत्पादन याक गुण बढ़ा है। उत्तरीन कहा कि ये सब उपचक्रिया हारियाणा याकार की किसान दिक्षियों नीतियों और नीधियों द्वारा मिह हारियाणा कृषि विकासालय के हाथ सिवाराश वीं गई कृषि

करने की विधि में हृषि उत्तरादेश में
30 प्रतिशत तक कमी की
समझायी है। जल समाधानों का
विकास पर्याप्त बाहुदारी है विकास,
परंतु कठ संख्या तथा कठत
का गिराव की अवधारणा की ज्ञान
जिन प्रबन्ध रक्षा की अविभ
ज्ञान प्रयोग है। अन्तीम कठ कि
कृषि भूमि यानि का सुपुर्योग करा।
शिवा विकल्प का पर्याप्त
सुन्दर लेने में प्रतिशत विभागी
अवधारणा भूमिका उत्तरादेश की
वास

यान्मन्त्रम् सर्विद ब्रह्मण द्वीपी
वर्णे इत्येवं सर्वधनं मै यमारोह
मै अविकल महिला किमानों की
अपेक्षा सर्वज्ञ पर यशो ज्ञानां
त्रीय कला कि माहानार्थों की जिस
भी स्त्रेर भूमिकामें गयी है वह
देख उपर्युक्त आग रहा है। हमारा
देश 70 में ज्यादा देशी में ज्यादातम
का विविध कारक है, जो दमता है
कि हमारा देश कृषि के स्त्रेर में
किसी असाधारण है। उक्तीने कहा
कि अर्थ जलि याति मै उपर
उक्तम् एष तित मै अपना योगदान
देना चाहौं ताहि हमारा देश
देख उपर्युक्त स्त्री

विभिन्न दृष्टिकोण के हुए समीक्षा एवं
विवरण शिखन विदेशी तथा
प्राचीन ग्रन्थ महान् या सभी का
सम्पादन किया। अधिक काव्य
प्रतिवेदानाम् के अधिकारी भी,
एवं के गुरु ने अन्वयवद् प्रस्ताव
प्रस्तुत किया। इस अवसर पर
मुख्यालीय ने प्रश्नों का
उत्तरादेन किया। इस अवसर पर
मुख्यालीय ने विभिन्नान्वय व
कृषि वाह में संरक्षणार्थ स्वास्थ्य
कार्य जाल किसानों द्वारा लगाई
गई प्रश्नों का उत्तरादेन भी
किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-12-23	04	५-४

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगरः प्रो: बीआर काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 12वीं जयंती मनाई, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भास्करन्दूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 12वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मचारी वर्ग के सब्जे हिती थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे

किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहारों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक झागर २४.१२.२०११	२५-१२-२३	०५	५-६

चौधरी चरण सिंह कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने

विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोन्चन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के दृष्टिगत साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उन्होंने



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभी ३जाला	२५-१२-२३	०२	७-४

पूर्व पीएम की नीतियां बहुत कारगर : प्रो. कांबोज



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विवि में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विवि परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मगति के सच्चे हितेजी थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है। इसलिए उन्होंने तात्पुर किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। किसानों की समृद्धि के लिए उनकी नीतियां बहुत कारगर साबित हुई हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों और हौटा एवं हौटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के २१२	२५-१२-२३	०२	३-४



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

हृकृति में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की १२१वीं जयंती मनाई

हिसार, 23 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हीतीथे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे

किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउग्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौंटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय



एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

फोटो: हरभूमि

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर मात्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मरा वर्ग के सच्चे हितेषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे।

वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आहान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	23.12.2023	--	--

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री रवींद्र चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगरः प्रो. बी.आर. काम्बोज एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मसुकर वर्ग के सच्चे हितेशी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का गमन खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउप्र किसानों और गरीबों के उथान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न गृजनीकार्यक्रमों पर रहते हुए देश में जर्मीदारी प्रथा समाप्त करना, भूमि



सुधार अधिनियम लागू करना, ब्रह्मनिमोनम विभेदक पासित करना और कन्द्र में ग्रामीण पुनर्व्यवस्था न मंत्रालय ग्रामीण वाला जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कला औंगर्ज विभाग का नाम इस भवान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के स्वरूप में मना रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रतेक देश के प्रत्येक किसान को इस विश्वविद्यालय में विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने

विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वेशानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए मद्देत्व प्राप्तशान रहें। यह इस महान नेता की सभी श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निरेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वेशानिकों, कर्मनालियों व विद्यार्थियों तथा होटा एवं होटेलों के प्रतीकार्यकालियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुन अर्पित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पांच बजे न्यूज

दिनांक
23.12.2023

पृष्ठ संख्या

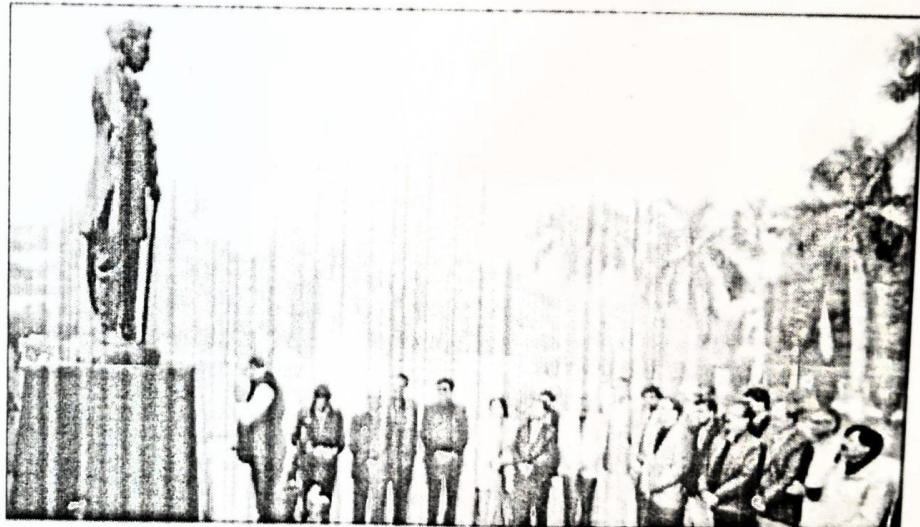
कॉलम
--

एवेयू में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मसा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का गमना खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है। इसलिए उन्होंने तात्पुर किसानों और ग्रामीणों के उत्थान के लिए संर्घण्य किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक पटों पर रहते हुए देश में जर्मांदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण नियोगन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुरुषन्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक



महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के टूटिगत साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को सार्वत्रिक किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा हमें गर्म है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में मना रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान को इस विश्वविद्यालय में विकासित कृप्त तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने

विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की भमूदि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा होटा एवं हैटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन आर्पत किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सिटी पल्स न्यूज

दिनांक
23.12.2023

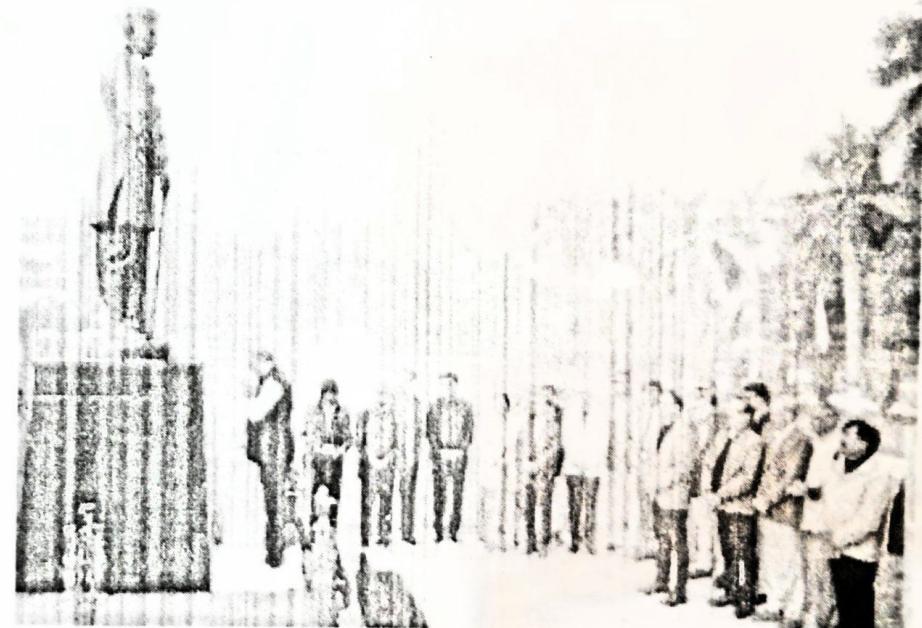
पृष्ठ संख्या

कॉलम

-- --

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मसु वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने तात्पुर किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

जमींदारी प्रथा समाप्त करना, भूमि सुधार अधिनियम लागू करना, ऋण निमोन्चन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समुद्दित व

कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	23.12.2023	--	--

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगर : प्रो: बी.आर. काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

हिसार (चिराग टाइम्स)

‘हिसार = चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिमर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें प्रदानजिल दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कर्मसा वर्ग के सच्चे हीतीय थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश में होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का गहरा खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताड़प किसानों और गारीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक पर्दों पर रहते हुए



देश में जर्मांदारी प्रथा भमास कराना, भूमि सुधार अभियान लागू कराना, ब्रह्म निर्भाचन विधेयक पारित कराना और कन्द्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के दृष्टिगत साल 2001 में 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे हैं। हमारा प्रयाम है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान

को इस विश्वविद्यालय में विस्तृत कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैय प्रयत्नशील रहें। यह इस मानन नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होंगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारियों, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौटिशा के पश्चिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर ऋद्धामन ग्रहित किए।